अनुलग्नक– 4

राष्ट्रीय पुनर्जागरण यात्रा कार्यक्रम
(2 अक्टूबर, 2014 से 25 सितंबर, 2015)

1. कार्यान्वयन संगठनः नेहरू युवा केंद्र संगठन, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

1. अवधारणा और उत्पत्ति–युवाओं को राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगाने और जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्हें नेताओं के रुप में सशक्त बनाने के माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण से पुनर्जागरण यात्रा की अवधारणा की उत्पत्तिहुई है।

2. उद्देश्य–यात्रा का उद्देश्य भारत में युवाओं के बीच सकारात्मकता, जुनून और नेतृत्व को फिर से जागृत करना था और साथ ही उन्हें राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में संलग्न करने का एक अवसर प्रदान करना था, विशेष रुप से एक और सामाजिक और वित्तीय समावेश के लिए और दूसरी तरफ जीवन कौशल के माध्यम से नागरिक मानकों की वृद्धि करना था।

3. भारत सरकार लोगों के लाभ और कल्याण के लिए कई योजनाएं पेश करती है। हालांकि, इन योजनाओं और तंत्र के बारे में उचित जागरूकता की कमी के कारणयुवाओं की सक्रिय साझेदारी नहीं है जिसके कारण इसका लाभ योजना की दृष्टिकोण के अनुसार लक्षित समूह तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसलिए, जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय विकास के मुख्यधारा से निकल गया है। सेवा वितरण प्रणाली और लाभार्थियों और युवाओं के बीच का विशाल अंतर योजनाओं और कार्यक्रमों के अपेक्षित परिणाम को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

4. प्रमुख घटक – कार्यक्रम के संचालन में प्रमुख घटक प्रधान मंत्री की वित्तीय और सामाजिक समावेश योजनाओं, स्वच्छ भारत मिशन, श्रमदान, शौचालयों का निर्माण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, कौशल विकास,

स्वयंसेवीवाद की भावना को बढ़ावा देना, प्रासंगिक युवा कनेक्ट रणनीति/अध्यापन के माध्यम से सभी प्रकार की सामाजिक बुराइयों का खंडन कर।राष्ट्रवाद पर जागरूकता उत्पन्न करना है।

5. उद्देश्य

(ए) युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना।

(बी) युवा नेताओं, कार्य समूहों का विकास और पड़ोस युवा संसद की स्थापना करना जो जीवंत गांव आधारित ग्रामीण जरूरत पर आधारित हो।

(सी) लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देना – प्रतिनिधि लोकतंत्र से प्रतिभागी लोकतंत्र तक।

(डी) युवाओं को विकास प्रक्रिया में भागीदार बनाना, स्वयंसेवीवाद और राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने के साथ–साथ सभी प्रकार की सामाजिक बुराइयों की निंदा करने के लिए प्रेरित करना। भारत में ग्रामीण युवाओं और आम आदमी तक पहुंचने और सशक्त बनाने की भी आवश्यकता है।

(ई) अपने गांवों के विकास में निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में योजनाकारों और भागीदारों केरूप में कार्य करने के युवाओं को अवसर प्रदान करना।

(एफ) किसी भी तरह के भेदभाव के बिना समावेशी विकास और वैकल्पिक विकास केसाधनों के लिए और मॉडलों के माध्यम से सकारात्मक सक्षम वातावरण तैयार करना और सहभागिता लोकतंत्र स्थापित करना।

6. पुनर्जागरण यात्रा की अवधि – एक वर्ष (2 अक्टूबर 2014 से 25 सितंबर 2015)।

7. पुनर्जागरण यात्रा कवरेज

(ए) भौगोलिक – पुनर्जागरण यात्रा में देश के 20 राज्यों के 100 जिलों में 10,000 गांवों को कवर किया गया। 20,386 आस–पास के गांव भी पुनर्जागरण यात्रा में शामिल हो गए। मार्गों की योजना इस तरह से बनाई गई थी कि भारत के लगभग सभी क्षेत्रों को कार्यक्रम के तहत कवर किया गया।

(बी) जनसांख्यिकीय –पुनर्जागरण यात्रा की गतिविधियां और संदेश विभिन्न साधनों और मीडिया के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के करीब 50 लाख लोगों तक पहुंचा।

8. कार्यप्रणाली

(ए) प्रारंभिक गतिविधियां

(i) अभिमुखीकरण और योजनागत कार्यवाही –यात्रा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, नेयुकेसं प्रमुख कार्यान्वयनकर्ताओं के साथ एक राष्ट्रीय और सात क्षेत्र स्तर की अभिमुखीकरण, मंथन और योजना कार्यशालाएं आयोजित की गईं। ग्रामीण युवा आंदोलन, विकास और सशक्तिकरण के लिए वैकल्पिक मॉडल निष्पादित करने के लिए 120 नेयुकेसं अधिकारियों की क्षमताओं से भी वृद्धि हुई।

(ii) वकालत और संवेदनशीलता बैठकें– संबंधित मुख्य सचिवों की अध्यक्षता में उपायुक्तों और ग्राम पंचायत प्रधानों या उनके नामांकित उम्मीदवारों के साथ मसौदा कार्य योजनाओं, वकालत और भागीदारी निर्माण बैठकों का आयोजन किया गया। इससे विभिन्न स्तरों पर यात्रा गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए संसाधनों और हितधारकों के सहयोग में सहायता करेगा।

(iii) पुनर्जागरण यात्रा का शुभारंभ

पुनर्जागरण यात्रा 2 अक्टूबर 2014 को भारत के दूर दराज के चार कोनों से जैसे कन्याकुमारी, लेह, ओखा और रोइंग पर स्थित चार स्थानों से एक साथ शुरू की गई थी।

(iv) पूर्व–पुनर्जागरण यात्रा वातावरण तैयार करने संबंधीअभियान – यात्रा के वास्तविक रुप में आरंभ होने से पहले, सभी 10,000 लक्षित गांवों में वातावरण निर्माण अभियान आयोजित किए गए थे। इस प्रक्रिया के दौरान, 43,695 युवा नेताओं को उनके गांवों में यात्रा गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने और अनुवर्ती कार्यवाही करने के लिए तैयार किया गया था।

(अ) प्रचारक दल के नेताओं को प्रशिक्षण–

प्रत्येक टीम में 50 युवा नेताओं के साथ 100 जिलों में 100 प्रचारक दलों की स्थापना की गई। 6031 सदस्यों को विषयगत क्षेत्रों में शिक्षित किया गया था और 07 दिनों के लिए प्रशिक्षित किया गया ताकि उन्हें दर्शकों को संबोधित करने और लक्षित गांवों में विषय आधारित प्रदर्शन प्रदान करने में सक्षम बनाया जा सके।

(vi) पहचान के लिए एक रुपता और प्रेरणा –यात्रा के दौरान युवा नेताओं और प्रचारक दल के सदस्यों के लिएपुनर्जागरण यात्रा के दौरान पहचान हेतु नेहरु युवा केन्द्रद्वारा पुनर्जागरणलोगो के साथ 30,000 टी–शर्ट और 30,000 टोपियां तैयार आवंटित की गई।

(बी) प्रौद्योगिकी/सहायता

(i) रथ का निर्माण –लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए374 रथ (न्यूनतम 3 प्रति जिला) बनवाये गये। जिनमें पोस्टर और दृश्य श्रव्य (ऑडियो विजुअल) के माध्यम से राष्ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रमों और योजनाओं को प्रचारित किया गया और यह रथों में सार्वजनिक सम्बोधन प्रणाली,

प्रदर्शनी पैनल, दृश्य श्रव्य (ऑडियो विजुअल)व्यवस्था, सांस्कृतिक उपकरण, आईईसी सामग्री जैसी सुविधाओं से सुसज्जित थे। बैनर, झंडे इत्यादि को पुनर्जागरण यात्रा कार्यक्रम के दौरान बनवाया गया और उपयोग किया गया था।

(ii) आईईसी और प्रचार सामग्री तैयार करना–20 राज्यों में 100 जिलों के लिए स्थानीय भाषाओं में 10 लाख पुस्तिकाएं (10,000 प्रति जिला) तैयार की गई। जिसमें राष्ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रमों और स्थानीय योजनाओं पर जानकारी दी गई। यह सामग्रीपुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम के दौरान जनता के बीच वितरित की गई।

(सी) रणनीति और गतिविधियां–

(i) जिला स्तर शुभारंभ एवं रवानगी कार्यक्रम20 राज्यों में से प्रत्येक 100 जिलों में, प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और हजारों स्थानीय युवाओं की उपस्थिति में पुनर्जागरण यात्रा कार्यक्रम और रथों की रवानगी का कार्यक्रम बड़े पैमाने पर जिला स्तर पर आयोजित किया गया।

(ii) ग्राम स्तर पुनर्जागरणअभियान गतिविधियां–

प्रचारक दल के नेता, ग्राम पंचायत प्रधान, सेवा प्रदाता, सार्वजनिक प्रतिनिधि, स्थानीय और आसपास के गांव के युवा, और ग्रामीणों ने 6–7 घंटे इस कार्यक्रम को देखा और निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया –

- ✓ विषय आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति, फिल्मों की स्क्रीनिंग और नुक्कड़ नाटक
- ✓ विषयगत क्षेत्रों पर बातचीत सत्र
- ✓ युवा नेताओं द्वारा प्रस्तुतिकरण
- ✓ स्थानीय ग्रामीण युवाओं और हितधारकों की भागीदारी के साथ
- ✓ पड़ोस युवा संसद का आयोजन

कुल 59,282 गांव स्तरीय गतिविधियां आयोजित की गईं।

(iii) **जिला सम्मेलन**

100 जिला सम्मेलनआयोजित किए गए। यहएक चयनित जिले में यात्रा के पूरा होने के बादजिलों में आयोजित किया गया था। युवा नेताओं और प्रचार दल के सदस्यों द्वारा अनुभव, युवाओं की प्रतिक्रिया और सेवा प्रदाताओं और अन्य हितधारकों द्वारा सहयोग और कार्रवाई के लिए 100 गांवों की कार्य योजना के आधार पर समेकित कार्य योजना की प्रस्तुति के बारे में वर्णन किया गया था।

9 दस्तावेजीकरण/अभिलेख– प्रत्येक गांवों में महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक कार्य योजना और युवाओं और ग्राम समुदायों के सामने आने वाली समस्याओं का विवरणतैयार कर उन्हें संबोधित करने के लिए स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायत को सौंप दिया। इन कार्यक्रमों के दौरान युवा नेताओं और युवाओं की प्रतिक्रिया के अनुभव जनता के सामने साझा किए गए थे। एक तरह से, 10,000 गांव पड़ोस युवा संसदों ने 18 लाख से अधिक हितधारकों की भागीदारी के साथ 100 जिला कार्य योजनाएं बनाईं। इससे विभिन्न विभागों और उनके कार्यान्वयन की योजनाओं में सुधार में मदद मिलेगी।

10. बड़ी संख्या में एकत्रिकरण, और सोशल ऑडिट–पारदर्शिता बनाये रखने और अधिक प्रभाव डालने के लिए लक्षित दर्शकों के लाभ के लिए सहयोग जुटाने हेतु माननीय राज्यपाल, मुख्यमंत्रियों, केंद्र सरकार के मंत्रियों राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसदों विधायकों, एमएलसी और साथ–साथ वरिष्ठ आईएएस/आईपीएस/अन्य अधिकारियों को विभिन्न स्तरों पर पुनर्जागरण कार्यक्रमों के में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

केरल के माननीय राज्यपाल, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, के माननीय मुख्यमंत्री और जम्मू–कश्मीर के माननीय उप मुख्यमंत्री, जम्मू–कश्मीर और राजस्थान के माननीय स्पीकर, राज्य सरकार के19 माननीय मंत्रियों, संसद

के 15 माननीय सदस्य, 51 माननीय विधायकों और 3 माननीय एमएलसी ने 100 जिलों में विभिन्न स्थानों पर पुनर्जागरण कार्यक्रम में भाग लिया।

इसके अलावा, 108 राज्य स्तरीय अधिकारी, 53 जिला पंचायत अध्यक्ष, 118 डीएम/डीसी, 811 जिला प्रशासन के अन्य प्रमुख, 1334 ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, 7213 ग्राम पंचायत प्रधान, 3588 कॉलेजों के प्रिंसिपल, 12,558 पीआरआई सदस्यों और 8,891 अन्य अधिकारियों ने पुनर्जागरण कार्यक्रम में भाग लिया।

11. पहुंच में वृद्धि– उन स्थानों पर संदेशों के व्यापक कवरेज और प्रसार के लिए प्रयास किए गए जिन्हें यात्रा द्वारा वास्तविक रूप से कवर नहीं गया था, वहां मास मीडिया जैसे राष्ट्रीय समाचार पत्र, स्थानीय समाचार पत्र, राष्ट्रीय और स्थानीय टीवी चैनल, वेबसाइट और सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे फेस बुक, यूट्यूब, इत्यादि के माध्यम से पहुंचे थे।

पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम की खबर 120 से अधिक समाचार पत्रों में दिखाई दी, जिसमें यात्रा के दौरान 3–50 बार खबरें शामिल थीं। पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम के दौरान 82 टीवी समाचार चैनलों ने पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम को 3–17 बार कवर किया।

पुनर्जागरण यात्रा का योजनागत परिणाम

(ए) ग्रामीण युवाओं के एकत्रीकरण, विकास और सशक्तिकरण के लिए वैकल्पिक मॉडल निष्पादित करने हेतु 20 राज्यों के 100 जिलों में नेहरु युवा केन्द्र संगठन के 1120 अधिकारियों का क्षमता संवर्धन किया गया।

(बी) 100 जिलों में 6031 प्रशिक्षित और प्रेरित युवा नेताओं के साथ 100 नेतृत्व दलों का विकास किया गया, जो भविष्य में ऐसे अभियान चला सकते हैं।

(सी) 10,000 गांवों से 43,695 ग्रामीण युवा नेता के एक समर्पित कैडर की स्थापना की जो अपने गांवों में आगामी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

(डी) 8 लाख ग्रामीण युवा, पीआरआई, सेवा प्रदाता और हितधारकों ने सामूहिक रूप से 10,000 गांवों में 9872 पड़ोस युवा संसदों में भाग लिया और गांवों की समान संख्या में अपने विकास के लिए 10,000 स्थानीय आवश्यक आधारित कार्य योजनाएं विकसित की।

(ई) 9872 गतिविधियों के माध्यम से 8,17,804 युवा सदस्यों और दूसरों की भागीदारी के साथ 10,000 गांवों में पडोस युवा संसदों की अवधारणा को प्रस्तुत किया। 17,232 संदर्भ व्यक्तियों और विशेषज्ञों ने सत्रों का मार्गदर्शन किया।

(एफ) पुनर्जागरण कार्यक्रम के दौरान प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण के लिए 75,615 युवा पंजीकृत किए गए थे।

(जी) 59,282 यात्रा के विषय के आधार पर ग्राम की गतिविधियों का आयोजन जागरूकता उत्पन्न करने और जनमानस को प्रेरित करने के लिए किया गया जिससे कि वे राष्ट्र के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लाभ उठा सके और उनमें भाग ले सकें।

(एच) ग्रामीण विकास प्रतिभागिता की आवश्यकता और महत्व के प्रति 20 राज्यों के 100 जिलों में 30,386 गांवों के ग्रामीण युवाओं, प्रमुख हितधारकों, सेवा प्रदाताओं को संवेदनशीलता एवं शामिल किया गया है।

(आई) किसी भी भेदभाव के बिना, सभी के लिए टिकाऊ समग्र विकास के लिए जरूरी सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्प्रेरक एजेंटों के रूप में युवाओं के साथ मंथन प्रक्रिया के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास के लिए पहल करने का प्रयास किया गया।

(जे) क्षेत्रीय भाषाओं में 10 लाख से अधिक सूचना, शैक्षिक और सांस्कृतिक (आईईसी) सामग्री बुकलेट और ब्रोशर्स, विषय आधारित लिपियों, प्रशिक्षण अनुसूचियों, संदर्भ किट, बैनर, नारे, पोस्टर, बैकड्रॉप्स आदि तैसार किए गए। जिन्हें बाद में अभियानों में भी उपयोग किया गया।
(के) राष्ट्रवाद, एकता, स्वयंसेवावाद की भावना को बढ़ावा दिया और व्यापक विकास के लिए सामाजिक बुराइयों की निंदा करने की आवश्यकता पर जागरूकता उत्पन्न की।

(एल) वित्तीय समावेशन योजना में सुविधा

- जन धन योजना के तहत अपने खाते खोलने के लिए 3,42,304 व्यक्तियों की सहायता की गई।
- प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना को प्राप्त करने में 1,49,854 लोगों की मदद की गई।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत अपने खाते खोलने के लिए 2,50,993 व्यक्तियों की मदद की गई।
- अटल पेंशन योजना पाने में 47,664 लोगों की मदद की गई।
- विधावा पेंशन योजना को प्राप्त करने में 7,984 लोगों की मदद की गई।

(एम) स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार

- निर्मित शौचालयों की संख्या – 1,03,742
- स्वच्छता अभियानों की संख्या –7,767
- जागरूकता अभियान की संख्या–9,215
- जंगल के उन्मूलन के लिए कार्यक्रमों की संख्या– 3,676

(एन) सामुदायिक संपत्ति के विकास की सुविधा

सड़कों का निर्माण/मरम्मत करना – 280

- नहर– 24
- पुल–1

(ओ) सामाजिक समावेश कार्यक्रम का प्रचार

- बेटी पढाओ बेटी बचाओ योजना के तहत नामांकित लड़कियों की संख्या– 75,770
- बेटी पढाओ बेटी बचाओ की शपथ ग्रहण में माता–पिता की संख्या – 4,19,752
- मिशन इंद्रधनुष (प्रतिरक्षण) के तहत 17,924 बच्चों का नामांकन किया गया
- जिला/राज्य विशेष योजनाओं का लाभ उठाने के लिए 2,96,506 युवाओं की सहायता की गई।

(पी) स्वयं सेवा को प्रोत्साहन

- रक्त दान के लिए शपथ लेने वाले युवाओं की संख्या – 1,13,338
- रक्तदान करने वाले युवाओं की संख्या – 2,677
- श्रमदान के लिए 100 घंटे समर्पित करने के लिए सहमत युवाओं की संख्या – 1,77,948
- पौधा रोपण की संख्या – 2,17,285

13. समापन समारोह :–

वर्षभर के पुनर्जागरण कार्यक्रम और यात्रा जोकि 2 अक्टूबर 2014 से महात्मा गांधी के जन्मदिन पर देश के चारों कोनों से आरंभ हुई थी, जैसे लेह (जम्मू एवं कश्मीर), कन्याकुमारी (तमिलनाडु), रोइंग (अरुणाचल प्रदेश) और ओखा (गुजरात) में 25 सितंबर, 2015 को दीन दयाल उपाध्याय धाम, नगला चन्द्रभान मथुरा (यूपी) में पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी का समापन किया, जो मानवतावाद के अभिन्न समर्थक थे।

श्री राजनाथ सिंह, भारत के माननीय गृह मंत्री, पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। युवा प्रतिभागियों को अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गरीबी, शिक्षा और बेरोजगारी अभी भी देश के लिए चुनौतियां हैं, हालांकि, भारतीय युवाओं में इन चुनौतियों को उठाने के लिए अपेक्षित प्रतिभा और शक्ति है। उन्होंने सामाजिक विकास और कल्याणकारी गतिविधियों में युवाओं को जुटाने के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पं. दीन दयाल उपाध्याय के अभिन्न मानवतावाद के समर्थन पर दर्शन पर बल दिया।

श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम एवं खेल, सरकार भारत का कहना था कि, युवाओं के विकास कार्य में शामिल होने से पहले खुद को तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री राजीव गुप्ता, सचिव, युवा मामले विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, सरकार भारत ने प्रधान मंत्री के दर्शन के बारे में बात करते हुए युवा नेतृत्व के विकास पर जोर दिया।

श्री श्यामा प्रसाद सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च के निदेशक विनय सहस्त्रबुद्धे ने पं. दीन दयाल उपाध्यायके आदर्शों और सिद्धांतों पर बात की।

श्री वी डी शर्मा, उपाध्यक्ष, नेहरु युवा केन्द्र संगठन ने कहा कि महान राष्ट्रों के सशक्तिकरण में भारत की महानता का मोर्चा मुख्यतः भारतीय युवाओं की उत्कृष्टता और प्रतिभाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

श्री शेखर राव पेराला, उपाध्यक्ष, नेयुकेसं ने कहा कि युवाओं की भारी जनसंख्या के कारण भारत को सही तौर पर युवा राष्ट्र कहा जाता है। बेहतर रूप से उनकी क्षमता का उपयोग करने के लिए उचित ढांचा और तंत्र विकसित करना समय की आवश्यकता है।

मेजर जनरल दिलावर सिंह, महानिदेशक नेयुकेसं ने समापन समारोह के दौरान मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों और हजारों युवा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, पुनर्जागरण कार्यक्रम के तहत वर्षभर आयोजित किए गए कार्यक्रमों और गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह व्यापक कवरेज के साथ एक अनोखी पहल है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, युवा ने आरंभ से ही नेतृत्व किया और अपनी सफलता सुनिश्चित की।

समापन समारोह में मुजफ्फरपुर की सुश्री आकांक्षा और राजसमंद श्री बोलीवाल जोकि वर्षभर पुनर्जागरण यात्रा के हिस्सा थे। इन दोनों युवाओं ने भी विचार प्रस्तुत किए। दोनों ने पुनर्जागरण यात्रा के अपने सशक्त अनुभवों के बारे में बताया, जिससे उनमें नेतृत्व की गुणवत्ता, आत्मविश्वास और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, सामाजिक कार्यों के प्रति संवेदनशीलता विकसित हुई।

देश भर में जिला नेहरु युवा केन्द्र के साथ संबद्ध युवा मंडलों से करीब 10,000 चयनित युवाओं ने समापन समारोह का हिस्सा थे।

14. निष्कर्ष

युवाओं के बीच सकारात्मकता, जुनून और नेतृत्व को पुनः उत्पन्न करने के उद्देश्य से भारत में और साथ ही उन्हें राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में संलग्न करने का अवसर प्रदान करते किया, विशेष रूप से एक तरफ सामाजिक और वित्तीय समावेशन के लिए और दूसरी ओर जीवन कौशल के माध्यम से नागरिक मानकों की वृद्धि के उद्देश्य के साथ सालभर के पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम 2 अक्तूबर 2014 को भारत के चार कोनों से आरंभ हुई और 25 सितंबर, 2015 को दीन दयाल उपाध्याय धाम, नगला चंद्रभान मथुरा (उत्तर प्रदेश) में संपन्न हुई।

पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम युवा मस्तिष्क को वास्तविक जमीनी स्तर पर काम करने के लिए प्रेरित करने में सफल रहे, जिससे देश के निर्माण गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सकारात्मकता, जुनून और नेतृत्व की भावना को प्रज्वलित किया, लेकिन राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में अभी काफी समय लगेगा।